कक्षा-6 हिन्दी - (वसंत भाग-1)

पाठ-10.

झाँसी की रानी

- सुभद्रा कुमारी चौहान

प्रश्न - अभ्यास

कविता से -

प्र०1. 'किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई'

(क) इस पंक्ति में किस घटना की ओर संकेत है?

उत्तर- इस पंक्ति में झाँसी के राजा 'गंगाधर राव' की मृत्यु होने की घटना की ओर संकेत है।

(ख) काली घटा घिरने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर- जिस प्रकार काली घटा के घिरने से चारों ओर अंधकार छा जाता है उसी प्रकार गंगाधर राव की आकस्मिक मृत्यु होने के कारण रानी लक्ष्मीबाई के जीवन में दुख रूपी अंधकार छा गया। रानी लक्ष्मीबाई और झाँसी के सभी लोग शोक में डूब गए।

प्र०2. कविता की दूसरी पंक्ति में भारत को 'बूढ़ा' कहकर और उसमें 'नयी जवानी' आने की बात कहकर सुभद्रा कुमारी चौहान क्या कहना चाहती हैं?

उत्तर- कविता की दूसरी पंक्ति में भारत को बूढ़ा इसलिए कहा गया है क्योंकि उस समय भारत की दशा बूढ़े व्यक्ति की तरह शिथिल और जर्जर हो चुकी थी। सन् 1857 में जब रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में भारतीयों ने देश को आजाद कराने का दृढ़ निश्चय किया तो ऐसा लगा मानो बूढ़े भारत में नयी जवानी आ गई हो।

प्र.3. झाँसी की रानी के जीवन की कहानी अपने शब्दों में लिखो और यह भी बताओ कि उनका बचपन तुम्हारे बचपन से कैसे अलग था?

उत्तर – झाँसी की रानी का नाम लक्ष्मीबाई था। वे अपने माता-पिता की एकलौती संतान थी। वे कानपुर के नाना साहेब की मुँहबोली बहन थी। नाना साहेब उन्हें 'छबीली' कहते थे। लक्ष्मीबाई बचपन से ही वीर और साहसी थी। उनका विवाह झाँसी के राजा 'गंगाधर राव' से हुआ था। राजा की आकस्मिक मृत्यु होने के कारण अंग्रेज सरकार राजा की निःसंतानता का लाभ उठाकर झाँसी पर कब्जा करना चाहते थे परंतु रानी ने इसका विरोध किया और अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी। लक्ष्मीबाई का जीवन अन्य बच्चों से भिन्न था। हम बच्चे खिलौने से खेलना पसंद करते हैं परंतु उनके खिलौने बरछी ढाल, कृपाण, जैसे हथियार थे। वे बचपन से ही नकली युद्ध का खेल, शिकार करना, चक्रव्यूह की रचना करना आदि युद्ध से संबंधित खेल खेला करती थी। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि उनका बचपन हमारे बचपन से अलग था।

प्र.4. वीर महिला की इस कहानी में कौन-कौन से पुरुषों के नाम आए हैं? इतिहास की कुछ अन्य वीर स्त्रियों की कहानियाँ खोजो।

उत्तर– वीर महिला की इस कहानी में निम्नलिखित पुरुषों के नाम आए हैं –
नाना धुंधूपंत, तांतिया टोपे, चतुर अजीमुल्ला सरनाम, अहमद शाह मौलवी, वीर शिवाजी, ठाकुर कुँवरसिंह आदि।

इतिहास की कुछ अन्य वीर स्त्रियाँ हैं –
रजिया सुल्तान, कर्मवती, सरोजनी नायडू आदि।